भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5094

02 अप्रैल, 2025 के लिए प्रश्न

जी-20 वैश्विक मिलेट सम्मेलन

5094. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जी-20 वैश्विक मिलेट (श्रीअन्न) सम्मेलन हाल ही में दिल्ली में आयोजित किया गया था;

(ख) यदि हां, तो मिलेट (श्रीअन्न) की खेती, श्रीअन्न अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य लाभ, किसानों की आय आदि क्षेत्रों में क्या चर्चाएं हुईं हैं और सम्मेलन में क्या निष्कर्ष निकले;

(ग) मंत्रालय द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं कि वर्तमान 12-13 राज्यों को छोड़कर सभी राज्य और संघ राज्यक्षेत्रों में मिलेट (श्रीअन्न) की खेती करें;

(घ) मिलेट (श्रीअन्न) की प्रति व्यक्ति खपत में पहले के 3 किलोग्राम से अब 13 किलोग्राम से अधिक की वृद्धि के प्रति सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ड.) मिलेट (श्रीअन्न) के प्रति व्यक्ति उपयोग को और बढ़ाने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं/किए जाने हैं?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क) और (ख): घरेलू और वैश्विक मांग पैदा करने तथा लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र को वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट (श्री अन्न) वर्ष (आईवाईएम) घोषित करने का प्रस्ताव दिया था। भारत के प्रस्ताव को 72 देशों ने समर्थन दिया तथा संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट (श्री अन्न) वर्ष घोषित किया। भारत सरकार ने आईवाईएम के उद्देश्यों को प्राप्त करने तथा भारतीय मिलेट को विश्व स्तर पर ले जाने के लिए एक सक्रिय बहु-हितधारक सहभागिता दृष्टिकोण (विभिन्न केंद्रीय सरकारी मंत्रालयों/विभागों, राज्यों/संघ राज्यों क्षेत्रों, किसानों, स्टार्ट-अप, निर्यातकों, खुदरा व्यापारियों, होटलों, भारतीय दूतावासों आदि को शामिल करते हुए) अपनाया है।

...2/-

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट (श्री अन्न) वर्ष के दौरान मुख्य ध्यान उत्पादन और उत्पादकता, खपत, निर्यात बढ़ाने, मूल्य श्रृंखला को मजबूत बनाने, ब्रांडिंग, स्वास्थ्य लाभों के लिए जागरूकता पैदा करने आदि पर था। भारत सरकार ने इसे जन आंदोलन बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं ताकि भारतीय मिलेट (श्री अन्न), व्यंजनों, मूल्यवर्धित उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दिया जा सके। भारत में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान मिलेट (श्री अन्न) पाककला कार्निवल, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कार्यक्रम, शेफ सम्मेलन, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की प्रदर्शनी, रोड शो, किसान मेलों, अर्धसैनिक बलों के लिए शेफ प्रशिक्षण, इंडोनेशिया और दिल्ली में आसियान भारत मिलेट महोत्सव आदि के दौरान मिलेट (श्री अन्न) को बढ़ावा दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय मिलेट (श्री अन्न) वर्ष के अवसर पर आयोजित एक प्रमुख कार्यक्रम वैश्विक मिलेट (श्री अन्न) सम्मेलन था, जो 18 से 19 मार्च 2023 तक आईएआरआई पूसा परिसर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री द्वारा किया गया। भारत को 'श्री अन्न' के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के लिए, भारतीय मिलेट अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोत्तम प्रथाओं, अनुसंधान और प्रौद्योगिकियों को साझा करने के लिए वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र घोषित किया गया है।

(ग): राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम)-पोषक अनाज पर 28 राज्यों और 2 संघ राज्यों क्षेत्रों अर्थात जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के सभी जिलों में एक उप-मिशन कार्यान्वित किया जा रहा है। एनएफएसएनएम-पोषक अनाज के तहत, राज्यों/संघ राज्यों क्षेत्रों के माध्यम से किसानों को फसल उत्पादन और सुरक्षा प्रौद्योगिकियों, फसल प्रणाली आधारित प्रदर्शनों, नई जारी किस्मों/संकरों के प्रमाणित बीजों के उत्पादन और वितरण, एकीकृत पोषक तत्व और कीट प्रबंधन तकनीकों, फसल मौसम के दौरान प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों की क्षमता निर्माण, कार्यक्रमों/कार्यशालाओं के आयोजन, बीज मिनीकिट के वितरण, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रचार आदि पर प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं।

इसके अलावा, भारत सरकार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) के तहत राज्य विशेष की आवश्यकताओं/प्राथमिकताओं के लिए राज्यों को लचीलापन भी प्रदान करती है। राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति (एसएलएससी) की अनुमोदन से पीएम-आरकेवीवाई के तहत मिलेट्स (श्री अन्न) को बढ़ावा दे सकते हैं।

(घ) और (ड.): मिलेट्स के वितरण में वृद्धि की प्रवृत्ति है:

वित्त वर्ष	मिलेट्स (श्री अन्न) का वितरण (टन में)
2021-22	8,33,172
2022-23	6,43,169
2023-24	10,41,660
2024-25	11,55,236 (दिनांक 27.03.2025 तक की स्थिति के अनुसार)

विभाग ने मिलेट (श्री अन्न) खरीद बढ़ाने के लिए विभिन्न पहल की हैं:

i. **दिशानिर्देशों में संशोधन:** मिलेट (श्री अन्न) की वितरण अवधि/शेल्फ लाइफ को पहले के 3 माह से बढ़ाकर 6-10 माह कर दिया गया, जिससे खरीद का स्तर बढ़ गया।

ii. एफसीआई के माध्यम से अधिशेष मिलेट (श्री अन्न) के अंतर-राज्यीय परिवहन का प्रावधान भी शामिल किया गया है।

iii. मिलेट (श्री अन्न) की खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए अधिग्रहण स्तर पर प्रशासनिक शुल्क को एमएसपी के 1% से बढ़ाकर 2% करना।

iv. **टीपीडीएस/ओडब्ल्यूएस में माइनर मिलेट (श्री अन्न) को शामिल करना:** सरकार ने हाल ही में राज्यों/संघ राज्यों क्षेत्रों द्वारा मिलेट (श्री अन्न) की खरीद के दायरे का विस्तार करते हुए इसमें माइनर मिलेट को शामिल किया है: फॉक्सटेल मिलेट (कंगनी/काकुन), प्रोसो मिलेट (चीना), कोदो मिलेट (कोदो), लिटिल मिलेट (कुटकी), बक-गेहूं (कुट्टू) और अमेरंथस (चौलाई) को अगले तीन वर्षों (2023 से) के लिए रागी के एमएसपी पर एमएसपी योजना के तहत शामिल किया गया है।

*****